

100 आतंकी डेर! ऑपरेशन सद्दूर के 6 वीर जवानों के नाम सार्वजनिक

वर्षिय सूची (Table of Contents):

- >> भारतीय सेना का अद्वितीय पराक्रम ऑपरेशन सद्दूर (Operation Sindoor) की पूरी कहानी...
- >> ऑपरेशन सद्दूर के 6 वीर जवानों के नाम सार्वजनिक, राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में हुए द...
- >> 30 वॉल पर अंकित हुई शौर्य गाथा...
- >> दो अमर बलदानियों को मरणोपरांत मलिा वीरता सम्मान वीर चक्र और वायु सेना मेडल...
- >> वायु सेना के जांबाज को मलिा वायु सेना मेडल...
- >> पहलगाम आतंकी हमले का बदला क्यों और कैसे शुरू हुआ था ऑपरेशन सद्दूर ?...
- >> 6-7 मई की वो खौफनाक रात...
- >> PoK और पाकस्तान में 9 आतंकी ठकानों का खात्मा, 100 से ज्यादा आतंकी हुए थे डेर...
- >> आतंक की कमर टूटी...
- >> मक्सर (Maxar) की सैटेलाइट तस्वीरों ने दी थी गवाही, तबाह हुए थे पाकस्तानी एयरबेस...
- >> कनि-कनि एयरबेस को पहुंचा नुकसान?...
- >> लश्कर और जैश के कनि-कनि खूंखार ट्रेनिंग कैंपों को भारतीय सेना ने कयिा था नेस्तना...
- >> पीओके (PoK) के प्रमुख कैंप...
- >> पाकस्तान के भीतरी इलाकों के कैंप...
- >> राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का त्याग चक्र जहां अमर है देश के रक्षकों की शौर्य गाथा...
- >> इतहास के पन्नों में ऑपरेशन सद्दूर...
- >> ऑपरेशन सद्दूर का वशित्वयापी असर दुनियाभर में बढ़ी स्वदेशी भारतीय हथियारों की ...
- >> 21,000 करोड़ से अधिक की डील और रक्षा नरियात का नया रिकॉर्ड...
- >> अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न...
- >> नष्किए (Conclusion)...

भारतीय सेना का अद्वितीय पराक्रम: ऑपरेशन सद्दूर (Operation Si

भारतीय सैन्य इतहास में ऑपरेशन सद्दूर (Operation Sindoor) एक ऐसा अध्याय बन चुका है, जिसने दुश्मन के छक्के छुड़ा दिए। हाल ही में इस ऐतहासिक ऑपरेशन से जुड़ी एक बड़ी जानकारी सामने आई है।

करीब 13 महीने के लंबे इंतजार के बाद, भारत सरकार ने उन 6 वीर सपूतों के नामों की आधिकारिक घोषणा कर दी है, जिन्होंने इस मशिन में अपना सर्वोच्च बलदान दिया। यह latest update 2026 में देशवासियों के लिए गर्व और भावुकता का क्षण है।

इस आर्टिकल में हम जानेंगे कि आखिर यह ऑपरेशन क्या था, क्यों शुरू किया गया और इसने कैसे वैश्विक स्तर पर भारतीय हथियारों का रुतबा बढ़ाया।

आप नेशनल वॉर मेमोरियल की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर शहीदों की list PDF डाउनलोड कर सकते हैं।

ऑपरेशन सद्दूर के 6 वीर जवानों के नाम सार्वजनिक, राष्ट्रीय यु

मई 2025 में हुए इस खौफनाक लेकिन सफल सैन्य अभियान में भारतीय सशस्त्र बलों के 6 जांबाज शहीद हुए थे। इनमें 5 जवान थल सेना (Indian Army) और 1 जवान भारतीय वायु सेना (IAF) से थे।

केंद्र सरकार ने एक साल से अधिक समय के बाद पहली बार आधिकारिक तौर पर इन वीर बलदानियों के नामों को सार्वजनिक किया है। इन नामों को अब पूरे सम्मान के साथ नेशनल वॉर मेमोरियल (National War Memorial) की वेबसाइट के रोल ऑफ ऑनर (Roll of Honour) में शामिल कर लिया गया है।

3D वॉल पर अंकित हुई शौर्य गाथा

नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की 3D वॉल पर साल 2025 के विशेष खंड में इन छह शहीदों के नाम सुनहरे अक्षरों में अंकित किए गए हैं। कोई भी नागरिक वेबसाइट पर जाकर इनका status check कर सकता है।

राष्ट्रीय युद्ध स्मारक के त्याग चक्र में 16 गोलाकार दीवारें हैं, जिन पर आजादी के बाद से देश के लिए प्राण न्योछावर करने वाले हर सैनिक का नाम, उनकी रैंक और यूनिट का विवरण दर्ज किया जाता है।

दो अमर बलदानियों को मरणोपरांत मलिा वीरता सम्मान: वीर चक्र औ

ऑपरेशन सद्दूर में अपनी जान की बाजी लगाने वाले छह वीरों में से दो को उनके अदम्य साहस और वीरता के लिए सर्वोच्च सैन्य सम्मानों से नवाजा गया है।

भारतीय सेना के राइफलमैन सुनील कुमार को युद्ध क्षेत्र में उनकी अद्वितीय बहादुरी के लिए मरणोपरांत वीर चक्र से सम्मानित किया गया है।

वायु सेना के जांबाज को मलिा वायु सेना मेडल

इसी तरह, भारतीय वायु सेना के सार्जेंट सुरेंद्र कुमार को आसमान में उनके पराक्रम और कर्तव्यनिष्ठा के लिए मरणोपरांत वायु सेना मेडल (Vayu Sena Medal) प्रदान किया गया है।

इन दोनों वीरों की कहानियां आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगी। इनका सम्मान पूरे देश का सम्मान है।

पहलगाम आतंकी हमले का बदला: क्यों और कैसे शुरू हुआ था ऑपरेशन

इस ऐतिहासिक सैन्य कार्रवाई की जड़ें 22 अप्रैल 2025 के उस काले दिन से जुड़ी हैं, जब जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में एक बेहद क्रूर आतंकी हमला हुआ था।

इस कायरतापूर्ण हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों को मौत के घाट उतार दिया गया था। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था और सरकार पर कड़ी कार्रवाई का भारी दबाव था।

6-7 मई की वो खौफनाक रात

पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए, भारतीय सेना ने 6-7 मई की रात को PoK (पाकिस्तान अधीकृत कश्मीर) में आतंकी ठिकानों पर भीषण स्ट्राइक की। इस दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच लगातार 4 दिन तक हवाई युद्ध चला।

अंततः 10 मई को दोनों देशों के सैन्य अभियान महानिदेशकों (DGMO) की बातचीत के बाद सीजफायर पर सहमतिबिनी और सैन्य कार्रवाई रोक दी गई।

PoK और पाकिस्तान में 9 आतंकी ठिकानों का खात्मा, 100 से ज्यादा

भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सद्दूर के तहत एक अचूक और सटीक रणनीति (Pinpoint strategy) का पालन किया। टारगेट पर पाकिस्तान और PoK में मौजूद खूंखार आतंकी संगठन थे।

इस मिशन में मुख्य रूप से जैश-ए-मोहम्मद (JeM) और लश्कर-ए-तैयबा (LeT) से जुड़े 9 बड़े आतंकी ठिकानों को नशियाना बनाया गया।

आतंक की कमर टूटी

भारत सरकार के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस सर्जिकल एयरस्ट्राइक में 100 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया गया था। यह आतंकवाद के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी जीतों में से एक थी।

इस हमले ने पाकिस्तान में बैठे आतंक के आकाओं को स्पष्ट संदेश दिया कि निया भारत घर में घुसकर मारना जानता है।

मक्सर (Maxar) की सैटेलाइट तस्वीरों ने दी थी गवाही, तबाह हुए

भारत की इस एयरस्ट्राइक का असर सिर्फ आतंकी कैंपों तक सीमित नहीं था, बल्कि पाकिस्तानी वायु सेना (PAF) के कई प्रमुख एयरबेस भी इसमें बुरी तरह तबाह हुए थे।

प्रसिद्ध प्राइवेट सैटेलाइट कंपनी मैक्सर (Maxar Technologies) ने इन तबाह हुए एयरबेस की हाई-रिज़ॉल्यूशन तस्वीरें (HD Photos) जारी की थीं, जिसने पाकिस्तान के झूठ की पोल खोल दी थी।

कनि-कनि एयरबेस को पहुंचा नुकसान?

मैक्सर द्वारा जारी तस्वीरों में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता था कि हमले से पहले और बाद में वहां क्या स्थिति थी। जनि प्रमुख पाकिस्तानी एयरबेस को नशाना बनाया गया, वे थे:

- >> सरगोधा एयरबेस (Sargodha Airbase)
- >> नूर खान एयरबेस (Nur Khan Airbase)
- >> भोलारी एयरबेस (Bholari Airbase)
- >> सुककुर एयरबेस (Sukkur Airbase)

लश्कर और जैश के कनि-कनि खूंखार ट्रेनिंग कैंपों को भारतीय सेना

7 मई 2025 की सुबह सेना ने आधिकारिक तौर पर बताया कि उन्होंने पाकिस्तान और पीओके (PoK) में कुल 9 टारगेट पहचाने थे और उन्हें पूरी तरह से नष्ट कर दिया।

इनमें आतंकवादियों के लॉन्चपैड और एडवांस ट्रेनिंग सेंटर्स शामिल थे, जहां भारत के खिलाफ साजिशें रची जाती थीं। यहां उन कैंपों की पूरी list दी गई है:

पीओके (PoK) के प्रमुख कैंप

- >> सवाई नाला ट्रेनिंग सेंटर, मुजफ्फराबाद: यह लश्कर का अड्डा था। सोनमर्ग, गुलमर्ग और पहलगाम हमले के आतंकियों ने यहीं ट्रेनिंग ली थी।
- >> सैयदना बलिल कैंप, मुजफ्फराबाद: यहां आतंकियों को हथियार, घातक वस्त्रोत्पत्ति और जंगल सर्वाइवल की स्पेशल ट्रेनिंग दी जाती थी।
- >> गुरपुर कैंप, कोटली: लश्कर के इस कैंप में 2023 में पूछ में शरद्वालुओं पर हमला करने वाले आतंकी तैयार हुए थे।
- >> अब्बास कैंप, कोटली: यह एलओसी (LoC) से मात्र 13 किलोमीटर दूर था, जहां खतरनाक फदिनीन तैयार किए जाते थे।
- >> बरनाला कैंप, भम्बूर: यहां आतंकियों को आधुनिक हथियार चलाना सिखाया जाता था।

पाकस्तान के भीतरी इलाकों के कैंप

- >> सरजल कैंप, सय्यालकोट: मार्च 2025 में पुलिस जवानों की हत्या करने वाले आतंकवादियों को यहीं ट्रेन किया गया था।
- >> हजिबुल महमूना जाया कैंप, सय्यालकोट: कुख्यात पठानकोट हमले की पूरी प्लानिंग इसी जगह हुई थी।
- >> मरकज तैयबा कैंप, मुरीदके: अजमल कसाब और डेविड कोलमैन हेडली जैसे खूंखार आतंकी यहीं तैयार हुए थे।
- >> मसजिद सुभान अल्लाह, बहावलपुर: यह जैश का हेडक्वार्टर था। यहां रकिरूटमेंट और ट्रेनिंग होती थी, जहां बड़े आतंकी कमांडर आते थे।

राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का त्याग चक्र: जहां अमर हैं देश के रक

इंडिया गेट, नई दिल्ली के पास स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक (National War Memorial) का उद्घाटन साल 2019 में किया गया था। यह स्मारक देश के अदम्य साहस का प्रतीक है।

यहां स्वतंत्रता के बाद से देश की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए सभी सैनिकों के नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज किए जाते हैं।

इतिहास के पन्नों में ऑपरेशन सद्दूर

इन छह वीर सपूतों के नामों के जुड़ने के साथ ही, अब ऑपरेशन सद्दूर भी उन प्रमुख सैन्य अभियानों की सूची (Official List) में आधिकारिक रूप से शामिल हो गया है, जिन्हें राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर सर्वोच्च सम्मान दिया गया है।

यह मेमोरियल सर्फ ईट-पत्थर की इमारत नहीं है, बल्कि यह उन परिवारों के लिए एक तीर्थस्थल है, जिन्होंने देश के लिए अपने बच्चों को खोया है।

ऑपरेशन सद्दूर का विश्वव्यापी असर: दुनियाभर में बढ़ी स्वदेशी

ऑपरेशन सद्दूर की सफलता का एक बड़ा श्रेय स्वदेशी भारतीय हथियारों को जाता है। इस ऑपरेशन में भारतीय सेना ने ब्रह्मोस (BrahMos), आकाश (Akash), लॉयटरिंग म्युनिशन (Loitering Munition) और नेत्र (Netra) जैसे अत्याधुनिक हथियारों का इस्तेमाल किया था।

इन हथियारों की अचूक मारक क्षमता देखने के बाद, वैश्विक रक्षा बाजार में भारतीय हथियारों की मांग (Demand) में रातों-रात भारी उछाल आया है।

21,000 करोड़ से अधिक की डील और रक्षा नरियात का नया रिकॉर्ड

रक्षा मंत्रालय की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, कई बड़े देशों ने भारत से हथियार खरीदने में गहरी रुचि दिखाई है। फिलीपींस, वियतनाम और दो अन्य देशों के साथ ब्रह्मोस मिसाइल के लिए करीब 12,500 करोड़ रुपए के ऐतिहासिक सौदे हो चुके हैं।

कुल मिलाकर अब तक 21,000 करोड़ रुपए से अधिक की डील फाइनल हो चुकी है। इसका सीधा असर यह हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत का रक्षा निर्यात (Defense Export) रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है, जो कि पिछले साल की तुलना में 62% ज्यादा है।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा 6-7 मई 2025 को पाकिस्तान और PoK में मौजूद आतंकी ठिकानों पर की गई एक बड़ी सर्जिकल और एयरस्ट्राइक थी, जिसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे।

इस ऐतिहासिक ऑपरेशन में भारत के 6 वीर जवान शहीद हुए, जिनमें 5 थल सेना (Indian Army) और 1 भारतीय वायु सेना (IAF) का जवान शामिल था।

ऑपरेशन सिंदूर में अदम्य साहस दिखाने के लिए भारतीय सेना के राइफलमैन सुनील कुमार को मरणोपरांत वीर चक्र से सम्मानित किया गया है।

भारतीय वायु सेना के सार्जेंट सुरेंद्र कुमार को उनकी अद्वितीय बहादुरी और कर्तव्यनिष्ठा के लिए मरणोपरांत वायु सेना मेडल प्रदान किया गया है।

यह ऑपरेशन 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कार्रवाईपूर्ण आतंकी हमले के जवाब में किया गया था, जिसमें 26 मासूम पर्यटकों की जान चली गई थी।

भारतीय सेना ने जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के कुल 9 बड़े ट्रेनिंग कैंप और लॉन्चपैड को पूरी तरह से नेस्तनाबूद कर दिया था।

प्राइवेट कंपनी मक्सर द्वारा जारी तस्वीरों ने खुलासा किया कि भारत की एयरस्ट्राइक में पाकिस्तान के सरगोधा, नूर खान, भोलारी और सुक्कुर एयरबेस भारी मात्रा में तबाह हुए थे।

इन छह वीर शहीदों के नाम नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक के त्याग चक्र की 3D वॉल पर साल 2025 के खंड में अंकित किए गए हैं।

इस ऑपरेशन में स्वदेशी हथियारों (ब्रह्मोस, आकाश आदी) के सफल प्रदर्शन के बाद वैश्विक स्तर पर इनकी डिमांड बढ़ी है, जिससे 2025-26 में भारत का रक्षा निर्यात 62% बढ़कर 38,424 करोड़ रुपए हो गया है।

निष्कर्ष (Conclusion)

ऑपरेशन सिंदूर (Operation Sindoor) न केवल भारतीय सशस्त्र बलों के अदम्य साहस और युद्ध कौशल का परिचायक है, बल्कि यह आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो-टॉलरेंस नीतिका भी सबसे बड़ा उदाहरण है।

जिन 6 वीर जवानों ने देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी, उन्हें राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में सर्वोच्च सम्मान देकर राष्ट्र ने अपना कृतज्ञ भाव प्रकट किया है। इसके साथ ही, स्वदेशी हथियारों की बढ़ती वैश्विक मांग ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और अधिक मजबूत किया है। देश हमेशा इन वीरों का ऋणी रहेगा।